विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -21 - 02 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पत्र के बारे में अध्ययन करेंगे।

अनौपचारिक पत्र – इस पत्र में व्यक्तिगत पत्र आते हैं। इस प्रकार के पत्र माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी, मित्र-सहेली तथा संबंधियों को लिखे जाते हैं।
अनौपचारिक पत्रों को लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

- पत्र लिखने वाला अपना पता तथा तिथि बाई ओर लिखता है।
- इसके नीचे अभिवादन लिखा जाता है; जैसे-नमस्ते, असीम स्नेह, सादर चरण स्पर्श आदि।
- अंत में जिसे पत्र लिखा जा रहा है, उससे लिखने वाले का संबंध व नाम लिखा जाता है; जैसे-मित्र/सखी, आपका बेटा/ बेटी, आपका पोता/पोती आदि।

अनौपचारिक पत्रों में-

जिन्हें पत्र लिखा हो	संबोधन	अभिवादन	अंत के शब्द
बड़ों को	आदरणीय, पूजनीय,	सादर प्रणाम, चरण स्पर्श	आज्ञाकारी, आपका पुत्र, भाई, शिष्य

	माननीय, परमपूज्य		
छोटों को	प्रिय, आयुष्मान चिरंजीवी	शुभाशीर्वाद, प्रसन्न रहो, सुखी रहो	तुम्हारा हितैषी, तुम्हारा शुभेच्छा, शुभचिंतक, तुम्हारा शुभाकांक्षी
बरोबर वालों को	प्रिय भाई, बहन, मित्र, सखी	नमस्ते, सप्रेम नमस्कार, मधुर स्मृति	शुभाभिलाषी तुम्हारा भाई, बहन, मित्र, सखी

अपने मित्र को नव वर्ष पर शुभकामना पत्र लिखिए

बी-413 डी० एल० एफ०
अंकुर विहार
दिनांक .....
प्रिय मित्र कुणाल
मधुर स्मृति
1 जनवरी 20XX से प्रारंभ होने वाला नववर्ष तुम्हारे जीवन में सुख-समृद्धि की वर्षा करे। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मेरी ।
शुभकामनाएँ स्वीकार करो।
सधन्यवाद
तुम्हारा मित्र
क ख ग

1.